दिनांक 4 अगस्त, 2017 को Ranchi Women's College, Ranchi के Graduation Day के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का सम्बोधन

यह अत्यन्त ही सुखद क्षण है कि प्राकृतिक संसाधनों एवं खनिज सम्पदा से परिपूर्ण हमारे झारखण्ड राज्य की राजधानी में स्थापित Ranchi Women's College आज अपना First Graduation Day मना रहा है। सबसे पहले मैं आज सभी उपाधिधारक छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनायें देती हूँ और साथ ही इस अवसर पर उनके अभिभावकों एवं महाविद्यालय परिवार से जुड़े सभी सदस्यों को भी बधाई देती हूँ।

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इस College का नारी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बालिकाओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने की दिशा में सार्थक भूमिका का निर्वहन कर रहा है। यहाँ की कई पूर्ववर्ती छात्राओं ने अपने ज्ञान, कौशल एवं परिश्रम से विभिन्न क्षेत्रों में सफलताएँ अर्जित की है। इस College से राँची शहर ही नहीं, बल्कि इस राज्य एवं राष्ट्र को असीम अपेक्षाएँ हैं। इस परिप्रेक्ष्य में इस College के सभी Faculty members & Staffs का हमारी बालिकाओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर रहना आवश्यक है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

साथ ही College Campus में अनुशासन का माहौल हो, Teacher-Student relation बेहतर हों। हमारी Teachers को यहाँ माँ के रूप में छात्राओं का मार्गदर्शन करना चाहिये, अन्य Staff को भी सहज व्यवहार रखना चाहिये। कहीं भी छात्राएँ असहज महसूस न करें। हमारी बालिकाएँ ज्ञानवान बनने के साथ नैतिकवान एवं चरित्रवान भी बनें। जीवन में प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के

लिए इन गुणों का होना नितांत आवश्यक है। सदा निर्भिक होकर जीवन व्यतीत करें और लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें। अपनी मेधा एवं अच्छे आचरण से स्वयं के साथ समाज तथा रा ट्र की प्रगति में निरंतर अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। इस रा ट्र को आपसे बहुत अपेक्षाएँ हैं, उस पर खड़ा उतरे। हमारे Teacher छात्राओं को नये Innovative IdeaS के प्रति जागरूक करें। यह College शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित करने हेतु अग्रसर हों कि राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश में इसे बालिका–उच्च शिक्षा के लिए आदर्श College के रूप में जाना जा सके।

मेरी प्रिय बालिकाओं, Degree ग्रहण करना ही केवल जीवन का मकसद नहीं है। अब आप जीवन के कर्म–क्षेत्र में प्रवेश कर रही हैं, जहाँ आपको अपनी क्षमता एवं प्रतिभा से हर वक्त अपनी पहचान स्थापित करनी है। आप किसी भी क्षेत्र को अपने Career के रूप में चयन करें अथवा आपने किया हो, सदा Excellence हासिल करने की सोचे। आप कभी भी अपने–आपको कमजोर न समझें, आपमें आसमान छूने की भी ताकत निहित है, इसलिए हमेशा मजबूत इरादे के साथ आगे बढ़ें और अपनी प्रतिभा से सफलता का ऐसा परचम लहरायें कि आपको यह College ही नहीं, बल्कि पूरा राज्य और राष्ट्र आदर्श एवं अनुकरणीय उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करें। सभी के लिए रोलमॉडल बनें।

यह सभी जान लें कि अब महिलायें सिर्फ चूल्हे–चौके तक सीमित नहीं रही हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा एवं लगन से विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित की है और राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रही है, राष्ट्र को अपनी ऐसी बेटियों पर गर्व है। आज इन्होंने एक कुशल Doctor,

Engineer, Scientist, Educationist, Administrative Officer, Police Officer बनने के साथ खेल में भी अपनी प्रतिभा से अमिट पहचान कायम की है। इसलिए जो आज भी महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी विचार रखते हैं, उन्हें अपने ऐसे विचारों पर चिन्तन और मंथन करने की आवश्यकता है। उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाते हुए न केवल अपने घर की लड़कियों को पढ़ने हेतु, बल्कि अपने आस–पास व समाज की भी लड़कियों को पढ़ने हेतु encourage करने की जरूरत है।

अभी भारत में महिला उच्च शिक्षा की गति अपेक्षित नहीं है, सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' का अभियान चलाकर इस पर विशे ा ध्यान दिया जा रहा है। कहा गया है कि एक बालक पढ़ता है तो वह स्वयं शिक्षित बनता है, पर जब एक स्त्री पढ़ती है तब पूरा परिवार एवं समाज शिक्षित होता है। हमारी छात्राओं को समझना होगा कि डिग्री हासिल करने के साथ ही उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपना प्रत्येक कदम बढ़ाना होगा ताकि राष्ट्र निर्माण में उनकी सदा प्रभावी योगदान स्थापित रहें। वे किसी दया की मोहताज न रहें, उन्हें अबला न कहा जाय। वे सशक्त एवं देशभक्त नारी के रूप में अपनी पहचान स्थापित करें।

एक बार पुनः मैं सभी उपाधि पाने वाली छात्राओं को ुभकामनायें देते हुए कहना चाहूँगी कि वे निरंतर अपनी मेहनत और लगन से लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें, मंजिल दूर नहीं है। मेरा आर्शीवाद सदा देश की आप सभी बेटियों के साथ है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!